भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
आर्थिक कार्य विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 112
(जिसका उत्तर सोमवार दिनांक 01 दिसम्बर, 2025/10 अग्रहायण, 1947 (शक) को दिया जाना है)

प्रति परिवार शुद्ध वित्तीय बचत

112. श्री जगदीश चंद्रा बर्मा बसुनियाः

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) वर्ष 2014 से देश में प्रति परिवार शुद्ध वित्तीय बचत का वर्ष-वार और लिंग-(क) वर्ष 2014 से देश में प्रति परिवार शुद्ध वित्तीय बचत का वर्ष-वार और लिंग-वार ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2024-25 में घरेलू बचत सकल घरेलू उत्पाद का 5.1 प्रतिशत थी और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) वर्ष 2014 से देश में प्रति परिवारों की वित्तीय देनदारियों का वर्ष-वार आंकड़ा क्या है; और
(घ) वित्तीय देनदारियों में वृद्धि के क्या कारण हैं?

उत्तर
वित्त राज्य मंत्री (श्री पंकज चौधरी)

(क): 2014-15 से घरेलू निवल वित्तीय बचत का वर्ष-वार ब्यौरा निम्नलिखित है।

वर्ष	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25*
लाख करोड़ ₹ में	8.8	11.1	11.5	13.1	14.9	15.5	23.3	17.1	13.3	15.5	19.9
सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में	7.1	8.1	7.4	7.6	7.9	7.7	11.7	7.3	5.0	5.2	6.0

* आरबीआई बुलेटिन, अगस्त 2025, ओकेजनल सीरीज़ तालिका 50(क) के अनुसार शुरुआती अनुमान।
स्रोत: एनएसओ और आरबीआई।

(ख): आरबीआई मासिक बुलेटिन अगस्त 2025 के अनुसार, वर्ष 2024-25 में घरेलू निवल वित्तीय बचत सकल घरेलू उत्पाद का 6.0 प्रतिशत है।

(ग) और (घ): वर्ष 2014-15 से घरेलू वित्तीय देनदारियों का वर्ष-वार ब्यौरा निम्नलिखित है।

वर्ष	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25*
लाख करोड़ ₹ में	3.8	3.9	4.7	7.5	7.7	7.7	7.4	9.0	16.0	18.8	15.7
सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में	3.0	2.8	3.0	4.4	4.1	3.9	3.7	3.8	5.9	6.2	4.7

** आरबीआई बुलेटिन, अगस्त 2025, ओकेजनल सीरीज़ तालिका 50(क) के अनुसार शुरुआती अनुमान।*
स्रोत: एनएसओ और आरबीआई।

वर्ष 2019-20 तक सकल घरेलू उत्पाद के भाग स्वरूप घरेलू वित्तीय देनदारियों का हिस्सा सामान्य और स्थिर रहा, इसके उपरांत महामारी के दौरान और उसके पश्चात इसमें तेज़ी से वृद्धि हुई, जो वर्ष 2023-24 में सबसे अधिक थी, जो ऋण पर बढ़ती निर्भरता को दर्शाता है। दिसंबर 2023 में प्रकाशित हुई आरबीआई की वित्तीय स्थिता रिपोर्ट के अनुसार, यह वृद्धि वित्तीय संस्थाओं से ऋण में तेज़ी से हुई वृद्धि के कारण हुई, जिसका बड़ा हिस्सा भौतिक आस्तियों (मॉर्गेज और वाहन) सृजित करने के कारण हुआ। वर्ष 2024-25 में, कुल स्तर और सकल घरेलू उत्पाद में हिस्सेदारी दोनों में कमी आई है, जो ऋण कम होने के शुरुआती संकेत दर्शाता है।

*****